साप्ताहिक समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-7, भोपाल, सोमवार, 13 से 19 मार्च 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

ईवीएम से छेड़छाड़ मामले में ममता बनर्जी ने भी छेड़ा बगावती राग

कोलकाता। अभी हाल ही में घोषित हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद उठे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से की गयी छेड़छाड़ के मुद्दे को लेकर अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बगावती राग छेड़ते हुए चुनाव आयोग से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है. उन्होंने भाजपा के ही वरिष्ठ नेता और पेशे से वकील सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से दिये गये बयान की वीडियो क्लीपिंग को आधार बनाकर चुनाव आयोग से यह मांग की है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि चुनाव आयोग को इस मसले पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए. उन्होंने कहा कि मैंने चुनाव आयोग का यह बयान देखा है कि ऐसा कुछ नहीं है. वहीं, मैंने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी का एक वीडियो टेप भी देखा है, जिसमें उन्होंने ईवीएम में छेड़छाड़ हो सकने की आशंका को व्यक्त किया है. ममता ने सुब्रमण्यम स्वामी के विचारों वाला वीडियो भी संवाददाताओं को दिखाया. ममता ने कहा कि कोई स्वीकार करे या ना करे, यह पूरी तरह से उनकी पसंद है, लेकिन चुनाव आयोग एक सर्वदलीय बैठक बुला सकता है. गौरतलब है कि वीडियो में स्वामी को यह कहते देखा जा सकता है कि जापान में ईवीएम बने थे लेकिन वहां चुनाव में मत पत्रों का ही इस्तेमाल होता है, क्योंकि मशीनों से छेड़छाड़ की जा सकती है. इस वीडियो में भाजपा नेता को यह कहते सुना जा सकता है कि यहां तक कि अमेरिका और जर्मनी जैसे देश ईवीएम की बजाय मत पत्रों का इस्तेमाल करते हैं. ममता ने स्वामी को कानूनी रूप से बहुत मजबूत बताते हुए कहा कि स्वामी ने जो बात कही है, वह गलत नहीं है. उन्होंने कुछ भी बुरा नहीं कहा है. मैंने कुछ नहीं कहा है, लेकिन मुझे लगता है कि इसकी जांच हो सकती है. इससे पहले बसपा सुप्रीमो मायावती ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत पक्की करने के लिए ईवीएम को 'मैनेज' किया गया था. आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी कहा कि ईवीएम से पंजाब में छेड़छाड़ की गयी थी, जिससे आम आदमी पार्टी के 20-25 फीसदी वोट अकाली दल-भाजपा गठबंधन को स्थानांतरित हो गये.

राज करने के लिए बहुमत नहीं, सर्वमत चाहिए: राष्ट्रपति

मुंबई। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने देश की सरकारों के बारे में कहा कि राज करने के लिए बहुमत नहीं बल्कि सर्वमत चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र कर कहा, 'मैंने कई प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है। उनसे कई चीजें सीखीं हैं। वर्तमान प्रधानमंत्री के काम करने का अपना तरीका है। मैं उनकी कड़ी मेहनत की सराहना करता हूं।' राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में शुक्रवार को कहा कि वह अकेले ऐसे प्रधानमंत्री थे, जिनकी काम करने की शैली पूरी तरह अलग थी। वाजपेयी साथ काम करने वालों की कद्र करना जानते थे। मुखर्जी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की भी सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने मंत्रियों को काम करने की छूट दी थी। मुखर्जी ने देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी जिंदगी पर सबसे बड़ा प्रभाव पंडित जवाहरलाल नेहरू का था। पंडित नेहरू ने संसद को जीवंत बनाया। उन्होंने व्यक्ति पूजा को हतोत्साहित किया। राष्ट्रपति ने सरदार पटेल के बारे में कहा, 'उन्होंने देश को जोड़ने का काम किया।' उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जिक्र कर कहा, इंदिरा गांधी एक बहुत मजबूत नेता और सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्री थीं। उनकी राजनीति का चरम बांग्लादेश की आजादी था।

योगी आदित्यनाथ के साथ मौर्य और शर्मा समेत 40 मंत्री लेंगे शपथ

लखनऊ। शनिवार को विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद योगी आदित्यनाथ रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री रूप में शपथ लेंगे। उनके साथ केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। साथ ही उनके मंत्रीमंडल के लिए 40 विधायकों को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। इस मौके पर पीएम मोदी के अलावा कई बड़े नेता मौजूद रहेंगे। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लखनऊ के स्मृति उपवन में दोपहर 2.15 बटे शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। शपथ लेने के बाद योगी लोक भवन में मुख्यमंत्री का चार्ज संभालेंगे। इसके बाद वो अपने मंत्रियों की बैठक लेंगे और फिर शाम 5 बजे मीडिया से मुखातीब होंगे। शपथ ग्रहण से पूर्व ही योगी सुबह 8 बचे स्मृति उपवन पहुंचे और तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने यहां अधिकारियों से भी बात की। इसके बाद योगी के गोरखपुर जाने की खबर है। जानकारी के अनुसार वो गोरखपुर मंदिर में पूजा करने के बाद अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर पुष्प चढ़ाएंगे। इसके बाद वह गोशाला में भी जायेंगे जहाँ गायों को दाना खिलाएंगे। उनके आने की सूचना से मन्दिर परिसर में अभी से बड़ी संख्या में समर्थक एवम् भाजपा कार्यकर्ता पहुंच गए हैं।

यह लेंगे मंत्री पद की शपथ : यूपी में योगी आदित्यनाथ जहां सीएम पद की शपथ लेंगे वहीं केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा डिप्टी सीएम पद की शपथ लेंगे। इनके अलावा चेतन चौहान, श्रीकांत शर्मा, रीत बहुगुणा जोशी, लक्ष्मी नारायण चौधरी, एसपी सिंह बघेल, राजेश अग्रवाल, धरमपाल सिंह, सुरेश खन्ना, आशुतोष टंडन, बृजेश पाठक, मुकुट बिहारी वर्मा और रमापति शास्त्री कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। गुलाबो देवी, बलदेव ओलख, संदीप सिंह और मोहसीन रजा को राज्यमंत्री क दर्जा मिलेगा जबकि स्वाती सिंह, अनुपमा जैसवाल, डॉ. महेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह चौधरी, धरम सिंह सैनी और सुरेश राणा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में शपथ लेंगे।

भव्य होगा आयोजन : शपथ ग्रहण के लिए भारी सुरक्षा व्यवस्था के लिए सात एसपी और 24 एएसपी समेत 34 कंपनी फोर्स समेत पुलिस का जबरदस्त अमला तैनात रहेगा। योगी बुलेट प्रूफ कार में आएंगे। मंत्रियों के लिए स्कोर्ट वाहन, शैडो और गनर के लिए डीजीपी को हिदायत दी गयी है। अतिथियों के लिए श्रेणीवार दीर्घा बनाई गई है। हर निमंत्रण पत्र में शपथ ग्रहण स्थल के किस दीर्घा में स्थान ग्रहण किया जाना लिखा है। मुख्यमंत्री, मंत्री के लिए अलग दीर्घा और

उनके परिवार और रिश्तेदारों के बैठने के लिए अलग श्रेणी की व्यवस्था होगी। शासन स्तर पर इस आयोजन को भव्य रूप देने के लिए तैयारी पूरी हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, कई केंद्रीय मंत्री, दर्जन भर राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योगपतियों समेत अति विशिष्ट अतिथियों के आने के संकेत मिले हैं। राजभवन की ओर से मानक सूची के अनुसार विशिष्ट अतिथियों को निमंत्रण पत्र निर्गत होंगे। मनोनीत मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों के रिश्तेदारों, मित्रों एवं अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए भी आमंत्रण पत्र जाएंगे।

ट्रेन हादसों की साजिश में कानपुर के एक इस्लामिक NGO पर भी है जांच एजेंसी को शक

नई दिल्ली। भारत में सक्रिय इस्लामिक स्टेट (IS) के एक आतंकी मॉड्यूल द्वारा भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन में कराए गए धमाके की जांच का सिरा कानपुर में सक्रिय 'सत्य संदेश फाउंडेशन' नाम के एक गैर-सरकारी संगठन से जुड़ता हुआ दिख रहा है। यह NGO इस्लाम से जुड़ी धार्मिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार से जुड़े होने का दावा करती है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (NIA) इस मामले की जांच के क्रम में इस NGO के अलावा कथित तौर पर IS के लिए काम कर रहे एहसान तक भी पहुंची है। एहसान शिया समुदाय से ताल्लुक रखता है और अगर उसपर लगा आरोप सही साबित होता है, तो शायद वह पहला ऐसा शिया होगा जो IS जैसे कट्टरपंथी सुन्नी विचारधारा वाले आतंकवादी संगठन से जुड़ा है।

कानपुर रेल हादसे में NGO की भूमिका संदिग्ध?

हद्द अब इस जांच के सिलसिले में कानपुर रेल हादसे के तारों को भी खंगाल रही है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि 20 नवंबर 2016 को कानपुर में हुए रेल हादसे की जगह पर सत्य संदेश फाउंडेशन (SSF) के लोग किस तरह इतनी जल्दी पहुंच पाए। 7 मार्च को हुए ट्रेन धमाके की जांच कर रही NIA को जुलाई 2016 में एहसान के एक बैठक में शामिल होने की जानकारी मिली है। यह बैठक जिस जगह पर हुई, वह प्लॉट कानपुर-लखनऊ मॉड्यूल के आमिर आतिफ मुजफर का है। आमिर के पिता स्स्स से जुड़े हुए हैं। एहसान का इस तरह द्गर के साथ जुड़ना और उसके लिए काम करना हैरानी का विषय है। पश्चिमी एशिया में शिया समुदाय IS के कट्टर विरोधियों में माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि IS शियाओं को गैर-इस्लामिक मानता है। यही कारण है कि IS के अत्याचारों का शिकार होने वालों में शियाओं की संख्या बहुत ज्यादा है।

पीएम मोदी के सोशल मीडिया का खर्च जानकर आप रह जायेंगे दंग

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया सूचना के अधिकार (आरटीआइ) के तहत जानकारी मांगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोशल मीडिया पर उपस्थिति को लेकर सरकारी खजाने से कितना खर्च हो रहा है या अब तक हुआ. सिसोदिया ने मोदी के पीएम का पद संभालने के बाद से उनके हरेक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खर्च से जुड़ी साल-दर-साल की जानकारी मांगी थी जिसके जवाब में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के सोशल मीडिया पर मौजूद रहने पर कोई खर्च नहीं आया. आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रियता लाजवाब है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोशल मीडिया पर अपडेट रहते हैं. न सिर्फ फेबसुक और ट्विटर बल्कि लिंकडिन, यूट्यूब ,गूगल प्लस जैसे कई अन्य माध्यमों पर उनकी सक्रियता है.प्रधानमंत्री सोशल मीडिया पर हाजिरजवाबी के लिए भी मशहूर है. मोदी अपनी प्रतिक्रिया न्यूज चैनल और अखबरों पर कम सोशल मीडिया पर ज्यादा साझा करते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार कहा है कि वह इन माध्यमों के जरिये वह सीधे जनता से जुड़ते हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एप्स भी है जिसे 50 लाख से ज्यादा लोगों ने डाउनलोड किया है।

जाट आंदोलन: 20 मार्च को दिल्ली कूच की तैयारी

चंडीगढ़। हरियाणा के संवेदनशील जिलों में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू की गयी है और इंटरनेट सेवा निलंबित कर दी गई है. ऐसा 20 मार्च को जाट निकाय के संसद के घेराव के मद्देनजर किया गया है.

संवेदनशील जिलों में धारा 144 लागू : आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि रोहतक, झज्जर, भिवानी, चरखी दादरी और हिसार सहित हरियाणा के कई संवेदनशील जिलों में आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता प्रक्रिया (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत लोगों के अवैध तौर पर जमा होने पर रोक लगा दी. इन इलाकों की इंटरनेट सेवा अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दी गई है. उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के एक जिले से दूसरे जिले में आने-जाने पर भी रोक लगा दी गई है. स्थिति से निपटने के लिए सेना को बुलाया गया है. जाट समुदाय दिल्ली की घेराबंदी करने पर अड़ी: इस बीच, ऑल इंडिया जाट आरक्षण संघर्ष समिति (एआईजेएएसएस) 20 मार्च से राष्ट्रीय राजधानी की घेराबंदी करने पर अड़ी है. उनका आरोप है कि उनकी मांगे नहीं मानी गई हैं. यह संगठन आरक्षण के लिए आंदोलन की अगुवाई कर रहा है.

अब सरकार लगवाएगी बुज़ुर्गों की बत्तीसी

बुज़ुर्गों ने मंत्री से कहा बत्तीसी भी लगनी चाहिए, तैयार कराई योजना

उज्जैन। सरकार अब आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को नकली बत्तीसी भी मुहैया कराएगी। सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय ने वयोश्री योजना लागू करने से पहले इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार किया है। यह देश में सबसे पहले मप्र के उज्जैन और आंध्रप्रदेश के बिल्लौर जिले में लागू किया जाएगा। मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज मारू ने बताया, बत्तीसी बनाने पर करीब चार हजार रुपए खर्च आएगा, जबकि निजी स्तर पर बत्तीसी लगवाने पर 15-20 हजार रुपए का खर्च आता है। ब्लॉक स्तर के शिविरों में कितने बुजुर्गों को कौन से उपकरण चाहिए और उस पर कितना खर्च होगा, दोनों आकंड़े जुटाए हैं। पायलट प्रोजेक्ट के दौरान सामने आने वाली अन्य बातों की स्टडी कर इसे और बेहतर बनाने का काम करेंगे। चिकित्सकों द्वारा जांच के बाद चयनित वृद्धों को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गेहलोत 26 मार्च को उज्जैन में जरूरत के हिसाब से सहायक उपकरण देंगे।

बुज़ुर्गों ने मंत्री से कहा बत्तीसी भी लगनी चाहिए, तैयार कराई योजना

दरअसल तीन माह पहले केंद्रीय मंत्री गेहलोत एक कार्यक्रम में शिरकत करने आए थे। यहां कुछ बुजुर्गों ने कहा था कि आर्थिक रूप से कमजोर वृद्धों के लिए बत्तीसी सरकार को लगवानी चाहिए। इस पर मंत्री ने पायलट प्रोजेक्ट तैयार कराया।

इनका कहना है

यह अपने आप में अनूठी योजना है। देशभर में उज्जैन का चयन होना बड़ी बात है। रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए गए हैं। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद बत्तीसी लगवाने का काम शुरू होगा। -संकेत भोंडवे, कलेक्टर उज्जैन

फूलों के रंग से भगवान महाकाल ने खेली होली

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल में रंगपंचमी पर तड़के 4 बजे राजाधिराज महाकाल ने टेसू के फूलों से बने रंग से होली खेली। रंग पर्व के लिए मंदिर को विशेष रूप से गुब्बारों से सजाया गया था। देशभर से आए भक्त भी अवंतिकानाथ के रंग में रंगे नजर आए।

एनसीसी कैंप में लगी साइबर क्राइम की पाठशाला

इंदौर। महू के 2 एमपी आर एंड वी स्क्वॉड्रन में दस दिनी शिविर में शुक्रवार को साइबर चैलेंजेस एंड सिक्युरिटी विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें पीआरटीएस (पुलिस रेडियो ट्रेनिंग स्कूल) के अफसरों ने एनसीसी के 300 कैडेट को साइबर क्राइम के बारे में जागरूक किया।

शहर के एनसीसी ग्रुप के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में इंदौर व उज्जैन के महिला-पुरुष कैडेट शामिल हुए। अफसरों ने बताया पूरा विश्व मोबाइल, इंटरनेट के माध्यम से एक हो गया है। इंटरनेट जहां लोगों के लिए सहायक है, वहीं अपराधों की आशंका भी बढ़ रही है। कैडेट्स को साइबर से जुड़े अपराध जैसे डिजिटल फुट प्रिंट, आईडेंटिटी, थैफ्ट, एटीएम फ्रॉड, कॉल स्पूफिंग और फाइनेंशियल फ्रॉड के बारे में जानकारी दी गई। साइबर विशेषज्ञों ने बताया फेसबुक पर युवा सोच-समझकर ही दोस्त बनाएं। अपनी व्यक्तिगत जानकारी उन्हें ना दें।

नोटबंदी के दौरान जमा किए 64 लाख रुपए सरेंडर

उज्जैन। शहर की तीन फर्में नोटबंदी के दौरान जमा किए गए 64 लाख रुपए का हिसाब पेश नहीं कर पाई हैं। यह राशि आयकर विभाग को सरेंडर कर दी गई है। विभाग के अनुसार इन फर्मों से उक्त राशि का 50 फीसद बतौर टैक्स वसूल किया जाएगा। आयकर विभाग के ज्वाइंट कमिश्नर सतीश सोलंकी ने बताया कि बुधवार को विभाग की टीमों ने मेसर्स माहेश्वरी इंटरप्राइजेस फीगंज, पाटीदार नर्सिंग होम जीरो पाइंट और शर्मा टेलीकॉम फीगंज पर जांच की थी। रात करीब दो बजे तक तीनों फर्मों के दस्तावेज विभाग के अफसर खंगालते रहे। सर्वे में माहेश्वर इंटरप्राइजेस ने 40 लाख रुपए, पाटीदार नर्सिंग होम ने 20 लाख रुपए तथा शर्मा टेलीकॉम ने साढ़े चार लाख रुपए सरेंडर किए हैं। तीनों फर्मों से घोषित आय पर नियमानुसार 50 प्रतिशत टैक्स वसूला जाएगा। सूत्रों के अनुसार नोटबंदी के दौरान भारी-भरकम राशि जमा करने वाले लोगों पर आयकर विभाग की नजर है। यही वजह है कि शहर में लगातार कार्रवाई की जा रही है।

उज्जैन के पास मैजिक और कार के बीच भिड़त, 6 लोगों की मौत

उज्जैन। उज्जैन-नागदा रोड पर ग्राम उन्हेल में कल देर रात सड़क दुर्घटना में 6 व्यक्तियों की मौत हो गई है। मृतकों में दो महिला और चार बच्चे शामिल हैं। सभी मृतक माली खेड़ी गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। यह दुर्घटना मैजिक और मारूति स्विफ्ट कार की भिड़ंत के चलते हुई। हादसा रात में करीब 1 बजे के आसपास का बताया जा रहा है। मैजिक में सवार यात्री मेला देखकर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि उन्हेल में चलने वाले मैले को देखकर वो लौट रहे थे तभी उन्हें लगा कि मैजिक का टायर पंचर हो गया है। इस पंचर टायर को बदलने के लिए वो खड़े हुए थे तभी तेज गति से एक कार आई और उसने खड़ी मैजिक में जोरदार टक्कर मारी जिस कारण से यह हादसा हो गया।

सीएसटी के नियम में संशोधन से घटा अंतरराज्यीय व्यापार, खत्म हुए डिस्ट्रीब्यूटर

इंदौर। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर (सीएसटी) के नियम में हुआ संशोधन बाजार के साथ सरकार पर भी भारी पड़ता नजर आ रहा है। बीते साल अप्रैल में व्यापारियों को अंतरराज्यीय व्यापार पर मिलने वाली छूट खत्म कर दी गई थी। संशोधन के बाद सरकार को उम्मीद थी कि व्यापारियों की छूट खत्म करने से राजस्व बढ़ेगा, लेकिन सालभर बाद सामने आए नतीजों में सरकार का राजस्व तो नहीं बढ़ा, उलटा व्यापार खत्म हो गया। 5 अप्रैल 2016 को प्रदेश सरकार ने आदेश जारी कर अंतरराज्यीय व्यापार पर आईटीआर के तहत टैक्स में मिलने वाले 12 प्रतिशत के रिफंड को खत्म कर दिया था। विशेषज्ञों के मुताबिक सरकार को कुछ अधिकारियों ने भ्रमित किया था कि सीएसटी के तहत रिफंड लेने के लिए व्यापारी अंतरराज्यीय व्यापार के फर्जी बिल बनाकर फायदा ले रहे हैं। हालांकि कर सलाहकारों और व्यापारियों ने इस बारे में पत्र सौंपे और विरोध भी किया, लेकिन सरकार नहीं मानी। फायदे की उम्मीद में छूट खत्म करने के करीब सालभर बाद अब उलटा असर दिख रहा है। जारी वित्त वर्ष में जहां वैट व अन्य सभी तरह के राज्य के करों के कलेक्शन में जमकर बढ़ोतरी हुई है, वहीं सीएसटी में कमी दर्ज की गई। बीते वित्त वर्ष के मुकाबले इस बार मार्च की शुरुआत तक ही सीएसटी कलेक्शन में करीब दो सौ करोड़ रुपए की कमी दर्ज हुई है। खत्म हुई बीच की कड़ी : कर सलाहकार और विशेषज्ञों के मुताबिक सरकार के एक संशोधन से राज्य और खासतौर पर इंदौर जैसे व्यापारिक शहर के व्यापार की एक श्रृंखला ही खत्म हो गई है। डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर पहचाने जाने वाले ये व्यापारी पहले मैन्युफैक्चरर्स से माल खरीदते थे और उसकी अन्य राज्यों में बिक्री करते थे। बिक्री बिल परदइ होती थी, क्योंकि सरकार उन्हें जमा किए 14 प्रतिशत सीएसटी में 12 प्रतिशत रिफंड देती थी। कर के रिफंड को व्यापारी अपना मुनाफा मानकर अन्य प्रदेशों के ट्रेडर्स से सस्ता माल बेचते थे। नतीजा था कि प्रदेश में व्यापार तो बढ़ता था, साथ ही सरकार को बिक्री पर लगने वाले वैट जैसे कर के रूप में अतिरिक्त राजस्व मिल जाता था। रिफंड खत्म होने से डिस्ट्रीब्यूटर कही जाने वाली बीच की कड़ी खत्म हो गई। अंतरराज्यीय व्यापार तो घटा ही, सरकार का टैक्स कलेक्शन भी कम हो गया। प्रदेश के हित में नहीं : मप्र कमर्शियल टैक्स प्रेक्टिशनर्स एसोसिएशन के सचिव केदार हेड़ा के मुताबिक अंतरराज्यीय व्यापार पर छूट खत्म करना प्रदेश के हित में नहीं है, क्योंकि प्रदेश मूलतः निर्माता राज्य न होकर उपभोक्ता राज्य है।

खबरें

यूजीसी ने इसे शोध कार्यों से जुड़े उपकरण और वर्कशॉप करवाने के लिए खर्च करने के निर्देश दिए हैं

स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन को 43 लाख की पहली किस्त

इंदौर। स्पेशल असिस्टेंस प्रोग्राम (सैप) के तहत स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन को 43 लाख रुपए की पहली किस्त जारी हो गई है। यूजीसी ने इसे शोध कार्यों से जुड़े उपकरण और वर्कशॉप करवाने के लिए खर्च करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने शनिवार को द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जिमनास्ट डॉ. डीके राठौर का व्याख्यान रखा है। अगले महीने उपकरण बुलाने की तैयारियां की जा रही हैं।

2015 में विभाग ने सैप को लेकर आवेदन दिया था। आठ महीने बाद यूजीसी ने प्रस्ताव मंजूर किया। मई 2016 में विभाग को प्रोग्राम संचालित करने की मंजूरी मिल गई। 2016-21 के बीच विभाग को 96 लाख रुपए अनुदान दिया जाएगा। खासतौर से प्रोग्राम में टीचिंग ट्रेनिंग पर ध्यान दिया जाएगा, जिसे बेहतर ढंग से विद्यार्थियों को विषयों की जानकारी दी जा सके। अनुदान की पहली किस्त 43 लाख रुपए विभाग को आवंटित हो चुके हैं। इसमें 35 लाख रुपए सिर्फ उपकरणों पर खर्च किए जाएंगे। क्रिकेट प्रैक्टिस के लिए लेटर-टेनिस बॉलिंग मशीन के अलावा बेडमिंटन की शटल मशीन बुलवाई जा रही है। स्पोर्ट्स साइकोलॉजी से जुड़ा सॉफ्टवेयर वायना टेस्ट सिस्टम भी खरीदा जा रहा है। वहीं बायोलॉजिकल फीडबैक भी इसमें शामिल किया गया है। आठ लाख रुपए यूजीसी ने वर्कशॉप और व्याख्यान के लिए दिए हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक मेहता ने बताया कि 35 लाख रुपए से जल्द ही उपकरण खरीदे जाएंगे। अप्रैल से खरीदी प्रक्रिया शुरू होगी।

फर्जी चेक लगाकर महिला व्यापारी के खाते से निकाले 6.75 लाख

इंदौर। महिला व्यापारी के खाते का फर्जी चेक बनाकर एक बदमाश ने 6.75 लाख रुपए निकाल लिए। जब उसी नंबर का असली चेक बैंक में गया तो उसे बाउंस कर दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज किया है। बैंक वालों की भी लापरवाही सामने आई है। जूनी इंदौर पुलिस के अनुसार इठलाती साड़ी सेंटर संचालक पुष्पा खंडेलवाल के सपना-संगीता रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते से किसी ने 9 फरवरी को रुपए निकाल लिए। महिला ने फरवरी 2016 को एक एजेंट को टैक्स सेविंग फंड के लिए 12,500 का चेक दिया था। एजेंट ने जब चेक बैंक में लगाया पता चला कि इस नंबर का चेक तो पहले ही पास हो चुका है। उसने महिला को बताया। महिला बैंक पहुंची तो सन्ना रह गई। बैंक अफसरों ने पास हुआ चेक देखा, जो असली जैसा लग रहा था। उन्हें शंका है कि महिला के खाते की जानकारी किसी व्यक्ति को है और उनके चेक का नंबर मिलानकर उसने वैसा ही चेक बनाया। महिला की साइन की और मुंबई में रहने वाले रामजानम यादव नामक व्यक्ति के खाते में रुपया ट्रांसफर करवा दिया।

विवि के विभागों में शिक्षकों की किल्लत

इंदौर। विश्वविद्यालय के विभागों में इन दिनों शिक्षकों की जबर्दस्त कमी है। कॉन्ट्रेक्चुअल भर्तियां नहीं होने से ज्यादातर विभाग अतिथि विद्वानों (विजिटिंग फैकल्टी) के भरोसे हैं। उनकी संख्या भी काफी कम है। कई बार विभागाध्यक्षों ने इसे लेकर कुलपति को फाइल भेजी, मगर लौटा दी गई। मजबूरन मौजूदा शिक्षकों से बाकी विषयों की कक्षाएं लगवाई जा रही हैं। नवंबर 2016 में कई विभागों ने अतिथि विद्वान रखने के लिए कुलपति डॉ. धाकड़ को फाइल भेजी थी। तीन सप्ताह इंतजार के बाद कुलपति ने विभागाध्यक्षों से मौजूदा शिक्षकों के कार्यों का ब्योरा मांगा। इसमें शिक्षकों के कक्षाएं लेने, परीक्षा और अन्य गतिविधियों के बारे में पूछा गया था। बताया जाता है कि कई विभाग इसे लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं कर पाए। इसके चलते विभागों में अतिथि विद्वान नहीं रखे जा रहे हैं। 27 विभागों में लगभग 110 शिक्षकों की जरूरत है, जिनमें आईएमएस, आईआईपीएस, स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस, आईईटी, स्कूल ऑफ लॉ समेत कई विभाग शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक बीते दिनों यह मुद्दा विभागाध्यक्षों की बैठक में भी उठाया गया था। मगर इस पर ज्यादा देर चर्चा नहीं हो सकी। कुलपति डॉ. धाकड़ ने बताया कि नए सत्र में शिक्षकों की नियुक्तियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

देश की भलाई के लिये केन्द्र सरकार कोई निर्णय करती है तो उसका स्वागत होना चाहिये

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि एक केबिनेट मंत्री के समान किसी भी प्रदेश के मुख्यमंत्री की शक्ति होती है।

भोपाल। देश की भलाई के लिये यदि केन्द्र सरकार कोई निर्णय करती है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए फिर चाहे नोटबंदी हो या कोई अन्य निर्णय। यह बात शुक्रवार को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुंबई (महाराष्ट्र) के होटल ग्रेंड हयात में इंडिया टुडे कॉनक्लेव-2017 में कही। सहकारी संघीय व्यवस्था विषय पर आधारित परिचर्चा में श्री चौहान के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फड़नवीस और जम्मू-काश्मीर की मुख्यमंत्री सुश्री मेहबूबा मुफ्ती भी शामिल थी।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि एक केबिनेट मंत्री के समान किसी भी प्रदेश के मुख्यमंत्री की शक्ति होती है। एक संघात्मक संविधान में केन्द्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन रहता है और प्रत्येक सरकार संविधान द्वारा निहित सीमा में ही कार्य करती है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि दोनों में कोई तालमेल नहीं हो। केन्द्र और राज्य सरकारें आपसी तालमेल से नागरिकों के कल्याण का कार्य करती हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि केन्द्र में श्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद टीम इंडिया की तर्ज पर अपने राज्यों में केबिनेट मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के बीच आपसी सहयोग से काम होना चाहिए। देश के राज्यों में भी आपसी सहयोग जरूरी है। राज्यों में प्रतिस्पर्धा हो, लेकिन उनमें किसी तरह का मतभेद न हो, क्योंकि सभी देश का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह आशंका निराधार है कि नीति आयोग राज्यों में भेदभाव करता है। आयोग के अध्यक्ष प्रधानमंत्री है। सभी राज्य समान रूप से देश का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा नीति आयोग गठन के बाद केन्द्रीय करों में राज्यों की हिस्सेदारी बढ़ी है। जीएसटी यानी गुड एण्ड सर्विसेज एक्ट के बारे में मुख्यमत्री श्री चौहान ने कहा कि यह गलत अवधारणा है कि इससे केवल बड़े राज्यों को फायदा होगा।

विदेशी निवेश का मध्यप्रदेश में स्वागत

शिवराज सिंह चौहान की मुंबई में विभिन्न देशों के वाणिज्यिक प्रतिनिधियों से चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुंबई में रूस कॉन्सल जनरल श्री आन्द्रेई जिल्टसोव, सिंगापुर के श्री अजित सिंह, इजराइल के श्री डेविड अकोव, तुर्की के श्री एर्डल साबरी एर्गेन, जापान के कार्यकारी कॉन्सल जनरल वाई. कावटा, जर्मनी के डेपुटी कॉन्सल जनरल श्री गैब्रिएले बोनर, ऑस्ट्रेलिया के सीनियर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमिश्नर श्री जॉन मैड्यू और यूके ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट के सेक्रेटरी श्री हेडेन स्पाइसर से भेंटकर निवेश संबंधी विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भेंट और चर्चा काफी सकारात्मक रही, जिसका सुपरिणाम प्रदेश को आने वाले समय में विकास और रोजगार के बड़े अवसर के रूप में प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ने सभी वाणिज्यिक प्रतिनिधियों से कहा कि वे अपने देश के व्यापार का मध्यप्रदेश में विस्तार करने की सोंचे, जहाँ पर बिजली, पानी प्रचुर मात्रा में है। सड़कों तथा उद्योगों के लिये आवश्यक श्रमिक तथा योग्य वातावरण भी है। इजराईल के श्री डेविट अकोव ने मध्यप्रदेश के इस प्रयत्न का स्वागत करते हुए कहा कि हम मुख्यत- चार क्षेत्र में मध्यप्रदेश के साथ भागीदारी कर सकते हैं, जो कृषि, जल तकनीकी, शिक्षा तथा सैन्यास्त्र हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के कृषि व शिक्षा के क्षेत्रों में किये गये प्रयासों की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में इजराइल ने बहुत प्रगति की है, अत: हम भी उससे कुछ नया सीख सकेंगे। उन्होंने शिक्षा तथा सैन्य शस्त्र के क्षेत्र में संयुक्त भागीदारी पर सहमति जतायी।

जनसम्पर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र का दौरा

भोपाल। जनसम्पर्क मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र शनिवार 18 मार्च को दतिया में विभिन्न कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मंत्री डॉ. मिश्र सुबह माँ पीतम्बरा माता मंदिर में दर्शन करेंगे। पूर्वान्ह में जिला अस्पताल में चाइल्ड केयर यूनिट का शुभारंभ कर दोपहर 3 बजे गहोई वाटिका में कृषक कार्यशाला को संबोधित करेंगे।

बसामन मामा गौ-शाला में वृहद गौ-अभयारण्य बनेगा

भोपाल। वाणिज्य-उद्योग, रोजगार तथा खनिज साधन मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बसामन मामा स्थित गौ-शाला में वृहद गौ-अभयारण्य का निर्माण किया जायेगा। गौ-वंश के संवर्द्धन-संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम होगा। श्री शुक्ल ने रीवा में लक्ष्मणबाग गौ-शाला में गौ-संवर्द्धन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। श्री शुक्ल ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश के विभिन्न गौ-अभयारण्य की भांति ही बसामन मामा गौ-अभयारण्य की भी चर्चा की जायेगी। श्री शुक्ल ने कहा कि अभयारण्य के निर्माण के साथ ही वहाँ गोबर और गो-मूत्र से बनाये जाने वाले उत्पादों के लिये मशीनें लगायी जायेंगी। उत्पादों की बिक्री आमदनी का जरिया बनेंगी। उद्योग मंत्री ने वर्तमान में बसामन मामा गौ-शाला को संचालित कर रहे गायत्री परिवार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बनने वाले अभयारण्य में भी गायत्री परिवार का सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि अभयारण्य के निर्माण की प्रत्येक माह समीक्षा की जायेगी। औपचारिकताओं के पूरा होने पर शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ किया जायेगा। बैठक में गौ-अभयारण्य के निर्माण के लिये भूमि आवंटन के मुद्दे पर चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि लगभग 37 एकड़ भूमि राजस्व विभाग से पशुपालन विभाग को हस्तान्तरित की जायेगी। अभयारण्य की निर्माण लागत एक करोड़ 60 लाख रूपये रहेगी।

अच्छे प्रशासन के लिये तकनीक का उपयोग जरूरी-श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि समय में अच्छा प्रशासन देने के लिये तकनीक का उपयोग करना जरूरी है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ 'मोबाइल एप शिवराजसिंह चौहान' के लांचिंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह सुशासन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम है। यह जनता के जुड़ने का सशक्त डिजिटल माध्यम है। इससे कम समय में जनता जुड़ेगी तथा सुझाव और समस्याओं की जानकारी दे सकेगी। इस एप से कार्यक्रमों तथा शासकीय योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी। यह परस्पर संवाद का अच्छा माध्यम बनेगा। इससे जनता की समस्या का समाधान त्वरित समय में होगा। प्रमुख सचिव जनसंपर्क श्री एस.के.मिश्रा ने एप के संबंध में जानकारी दी। एण्ड्राईड फ़ोन के गूगल प्ले स्टोर पर शिवराज सिंह चौहान एप्प सर्च कर सकते हैं। इसे सिलेक्ट कर इंस्टॉल बटन दबाये। अगर एप कोई परमिशन माँगता है तो सहमति दें।

विकास — **विकास का प्रकाश आम आदमी तक पहुँचने तक विकास बेमानी**

प्रदेश को देश का अग्रणी प्रदेश बनाना है

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विकास का प्रकाश जब तक आम आदमी तक नहीं पहुँचता तब तक वह बेमानी है। मध्यप्रदेश सरकार चौतरफा विकास के साथ प्रदेश को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने के लिये संकल्पित है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुंबई में सीआईआई की क्षेत्रीय वार्षिक बैठक के अवसर पर आयोजित %बिल्डिंग काम्पीटीटिवनेस-ड्राइविंग डेवलपमेंट% सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अब से 12 वर्ष पूर्व जब वे प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, मध्यप्रदेश देश के बीमारू राज्यों में शामिल था और उन्हें भी प्रशासन का कोई अनुभव नहीं था। श्री चौहान ने कहा कि मैंने प्रदेश को पिछड़ा राज्य नहीं रहने देने का संकल्प लिया। सड़क, पानी और बिजली के साथ ही खराब कानून-व्यवस्था को सुधारने का बीड़ा उठाया। संकल्प की पूर्ति की राह में सवा लाख किलोमीटर सड़क बनाने का अभियान शुरू किया। सरकार राज्य के सभी 53 हजार गाँव को सड़क से जोड़ने पर काम कर रही है। बिजली उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने बतायाकि रीवा में 750 मेगावॉट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जा रहा है। संयंत्र से मात्र रु. 2.97 पैसे की दर से बिजली प्रदेश को मिलेगी। राज्य में 18000 मेगावॉट बिजली पैदा होती है जो जरूरत से ज्यादा है। मुख्यमंत्री ने कहा क कृषि प्रधान मध्यप्रदेश में कृषि को लाभदायी बनाने की कोशिशें शुरू की। सिंचाई पर ध्यान दिया, जिसका परिणाम है कि प्रदेश की सिंचित भूमि का रकबा साढ़े सात हेक्टेयर से बढ़कर 40 लाख हेक्टेयर हो गया। किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश की कृषि विकास दर 20 प्रतिशत से अधिक है, जबकि देश की कृषि विकास दर साढ़े सात प्रतिशत है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास से किसान की क्रय शक्ति और कृषि यंत्रों की बिक्री बड़ी जिसका फायदा उद्योग क्षेत्र को भी हुआ। अब प्रदेश में पारम्परिक खेती के साथ ही फल-फूल-सब्जी की खेती और खाद्य प्र-संस्करण उद्योगों की स्थापना पर बल दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 5 वर्ष में किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य की पूर्ति के लिये मध्यप्रदेश ने सबसे पहले रोडमेप तैयार कर लिया है। मिट्टी परिक्षण प्रयोगशालाएँ स्थापित की जा रही हैं। कृषि रथ के द्वारा गाँव-गाँव में किसानों को खेती की बारीकियों की जानकारी दी जायेगी। किसानों को बिना ब्याज के कर्ज दिये जाने से काफी राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्ष 2016 में इंदौर में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद राज्य में दो लाख 43 हजार करोड़ के लेटर-टू इन्वेस्ट प्राप्त हुए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रदेश प्रगति पर हैं। पुणे की सिमबायसिस और मुंबई की नरसीमजी जैसी जानी-मानी शिक्षण संस्थाएँ प्रदेश में इन्वेस्ट कर रही हैं।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश में रोजाना बढ़ रहा है सिंचाई रकबा

'पर ड्राप मोर क्रॉप' के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश में अब गंभीर प्रयास

देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में वर्ष 2003 में जहाँ सिर्फ सात लाख हेक्टेयर के आसपास संचित क्षेत्र था। वहीं जल संसाधन विभाग की ओर से इसे तीस लाख हेक्टेयर तक लाने की अहम उपलब्धि बीते दशक की खास घटना है। नर्मदा घाटी विकास, पंचायत और अन्य विभाग की योजनाओं से बढ़े सिंचाई रकबे की गणना अलग है। आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश में साठ लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता देखने को मिलेगी। यह उपलब्धि वर्ष 2017 से दिखना प्रारंभ भी होने लगेगी। मध्यप्रदेश में प्रतिदिन सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि हो रही है। इस दिन प्रतिदिन मिलती उपलब्धि से किसानों की आर्थिक दशा में तो सुधार हो ही रहा है, ग्रामीण और शहरी अर्थ-व्यवस्था में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पर ड्राप मोर क्रॉप' के लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस वर्ष से जल संसाधन विभाग के अमले ने नई ऊर्जा के साथ राज्य में कार्य प्रारंभ किया है। यह निर्विवाद तथ्य है कि मध्यप्रदेश सरकार ने विकास के जिन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है उनमें सिंचाई प्रमुख है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान वर्ग के लिए जहाँ बिना ब्याज के ऋण की व्यवस्था कर उन्हें आर्थिक बोझ से राहत प्रदान की वहीं प्रदेश में सिंचाई की सुविधाएँ बढ़ाकर किसानों को संपन्न बनाने का लक्ष्य भी तय किया गया। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जो कार्य बीते 11 वर्ष में शुरू हुए उससे किसान सीधे लाभान्वित हुए हैं। यही वजह है कि मध्यप्रदेश को लगातार चार साल कृषि कर्मण अवार्ड से भी नवाजा गया है। इन निरंतर मिले पुरस्कारों का प्रमुख आधार मध्यप्रदेश में सिंचाई क्षेत्र में लगातार की गई वृद्धि ही है। जल संसाधन विभाग का दायित्व है कि एकीकृत जल संसाधनों के विकास और प्रबंधन की व्यापक योजना बनाई जाए, नीति निर्धारित की जाए और जल के समन्वित उपयोग की व्यवस्था की जाए। इन सभी मोर्चों पर जल संसाधन महकमे ने कामयाबी प्राप्त की है। जहाँ पुरानी योजनाओं के कायाकल्प की आवश्यकता है वहाँ वैसी व्यवस्था करना और सहभागिता सिंचाई प्रबंधन के जरिये कृषकों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रयास करना प्राथमिकता रहा है।

बीते 11 वर्ष की उपलब्धियों की चर्चा की जाए तो इस अवधि में 7 वृहद, 12 मध्यम और 1618 लघु योजनाएँ पूरी की गई हैं। चम्बल मुख्य नहर प्रणाली विश्व बैंक की सहायता से किए गए लाईनिंग वर्क से इस वर्ष सिंचाई क्षमता 3 लाख 5 हजार हेक्टेयर हो गई है। बाण सागर परियोजना से 1लाख 60 हजार हेक्टेयर और धार, झाबुआ जैसे आदिवासी बहुल इलाकों में माही परियोजना से 20 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई हो रही हैं। वास्तविक सिंचाई का प्रतिशत नहरों के विस्तारीकरण, संधारण और जल वितरण के अच्छे प्रबंधन से 37 से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गया है।

विश्व बैंक की सहायता से मध्यप्रदेश वाटर सेक्टर रीस्ट्रक्चरिंग प्रोजेक्ट में कार्य होने से एक दशक में ढाई लाख के स्थान पर करीब 6 लाख हेक्टेयर में सिंचाई हो रही हैं। प्रोजेक्ट से तीस जिलों की करीब सवा दो सौ परियोजना को नई शक्ल मिली। उदाहरण के लिए ग्वालियर में चंबल परियोजना और हरसी नहर से किसान लाभान्वित होने लगे है। रबी फसलों की बात करें तो 13 वर्ष पहले निर्मित सैंच्य क्षेत्र 12 लाख 70 हजार हेक्टयर था, जो इस वर्ष बढ़कर 29 लाख 58 हजार हेक्टेयर हो चुका है। इस अवधि में वास्तविक सिंचाई का क्षेत्र भी 10 लाख 7 हजार से बढ़कर 27 लाख 50 हजार हेक्टेयर हो चुका है। नाबार्ड की सहायता से योजनाओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास हुए है। वर्ष 1995-2004 की अवधि में 1000.53 करोड़ लागत की 534 योजनाओं की मंजूरी हुई थी। यह दशक प्रगति की दृष्टि से आशाजनक नहीं था। लेकिन इसके बाद का दशक अर्थात वर्ष 2004 से 2015 के मध्य 2188 करोड़ रूपये के निवेश से 10 वृहद और मध्यम परियोजनाओं के कार्य तेजी से पूर्ण करने के प्रयास किए गए। यही वजह है कि इस कार्यों से 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य करेगी। केन्द्रीय जल आयोग ने विश्व बैंक के सहयोग से 4 राज्य के 223 बाँध को सुदृढ़ बनाने की योजना बनाई थी। इसमें मध्यप्रदेश के 50 बाँध का चयन किया गया। वर्तमान में 12 बाँध के जीर्णोद्वार पर ध्यान दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी साधनों को उपयोग भी जलाश्यों के जल स्तर की मानीटरिंग के लिए किया जा रहा है। एसएमएस बेस्ड व्यवस्था में विभागीय वेबसाइट पर जलाशयों में जल उपलब्धता को एक क्लिक के माध्यम से जाना जा सकता है। वर्ष 2003 के सिंचाई राजस्व वसूली के 33 करोड़ 07 लाख के आंकड़े को इस वर्ष 290 करोड़ 83 लाख तक पहुँचा दिया गया है। राजस्व वसूली के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास भी बढ़ाए गए हैं। गत दशक में जल उपभोक्ताओं की संख्या भी बढ़ी है। पहले जहाँ 1470 संथाएँ थी वहीं इनकी संख्या 2067 हो गई है। समस्त शासकीय और निजी स्त्रोतों से सिंचाई रकबे की बात करें तो इसमें भी प्रगति काफी उल्लेखनीय है। समस्त स्त्रोतों से राज्य में वर्ष 2003 में 48 लाख 99 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती थी जो आज 99 लाख 19 हजार हेक्टेयर में हो रही है। राज्य में शुद्ध बोए गये क्षेत्र में कुल सिंचित निर्मित क्षमता का प्रतिशत 6.33 से बढ़कर 17.95 हो गया है। परियोजनाओं पर 621 करोड़ के मुकाबले 5217 करोड़ रूपये की राशि खर्च की गई। कमांड क्षेत्र के विकास पर वर्ष 2003 में सिर्फ 6 करोड़ 21 लाख रूपये खर्च हुए थे। मार्च 2016 में यह खर्च 147 करोड़ तक पहुँचा है। प्रदेश में जल संसाधन विभाग के माध्यम से गत पाँच वर्ष में तीन वृहद क्रमश: सिंध प्रथम चरण, राजघाट नगर परियोजना एवं राजीव सागर परियोजना, पाँच मध्यम तथा 700 से अधिक लघु सिंचाई परियोजनाएँ पूर्ण करते हुए कुल सिंचाई 9 लाख 76 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 27 लाख 50 हजार हेक्टेयर की गई है।

- पराग वराडपांडे

कला-संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दिया गया विस्तार

मध्यप्रदेश के संस्कृति विभाग ने देश और दुनिया में अलग ही कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ष के 365 दिनों में 1600 छोटे-बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर यह संदेश दिया है कि देश के हृदय प्रदेश में संस्कृति की अविरल धारा सदैव प्रवाहमान रहेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व वाली सरकार ने वैचारिक महाकुंभ, अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलन,शौर्य स्मारक का निर्माण और हाल ही में सम्पन्न लोक-मंथन के सफल आयोजन से इस बात पर मुहर लगा दी है कि भारत की अस्मिता और संस्कृति की पताका मध्यप्रदेश के हाथों में ही रहेगी। प्रदेश की बहुवर्णी संस्कृति का संरक्षण-संवर्द्धन अपने आप में बड़ा काम है। यह काम प्रदेश में अगर सुविचारित रूप से हो रहा है, तो इसके पीछे मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह की सुचिंतित सोच है। इसी सोच से प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर, पुरातात्विक सम्पदा, ऐतिहासिक महत्व का यथास्थिति संरक्षण, संवर्धन, कला-संस्कृति, राजभाषा, स्वाधीनता संग्राम से सम्बन्धित महत्वपूर्ण पहलुओं पर बहु-आयामी कार्य हो रहे हैं। राजभाषा हिन्दी के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की सघन गतिविधियों के संचालन से भी प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान कायम की है। संस्कृति विभाग का वार्षिक बजट वर्ष 2005-06 में रूपये 12784 लाख होता था जो वर्ष 2016-17 में बढ़कर रूपये 15309 लाख हो गया है।

राष्ट्रीय/प्रादेशिक सम्मान और पुरस्कार

मध्यप्रदेश देश का संभवत: पहला प्रदेश है जहाँ साहित्य, संस्कृति, सिनेमा, सामाजिक समरसता, सदभाव आदि बहु-आयामी क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य और उपलब्धियों के लिये राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मान स्थापित हैं। वर्ष 2004 तक 15 राष्ट्रीय और 6 राज्य स्तरीय सम्मान अस्तित्व में थे। अब लगभग 81 राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सम्मान,पुरस्कार एवं फैलोशप दिये जा रहे हैं। इनमें कुछ ऐसे राष्ट्रीय/राजकीय सम्मान भी हैं जिनकी सम्मान राशि में भी दो गुना इजाफा किया गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के कार्यकाल में अब तक 12 नए राष्ट्रीय एवं एक राज्य स्तरीय सम्मान शिखर सम्मान श्रेणी में शुरू करवाये गये हैं। इनमें हिन्दी भाषा के एक-एक लाख रूपये के 5 नए राष्ट्रीय सम्मान वर्ष 2015-16 से स्थापित किये गये जिनमें हिन्दी साफ्टवेयर, सर्च इंजिन, वेब डिजाइनिंग, डिजिटल भाषा प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, आडियो-विजुअल एडीटिंग में उत्कृष्ट योगदान के 'सूचना प्रौद्योगिकी, भारतीय अप्रवासी होकर विदेश में हिन्दी के विकास में अमूल्य योगदान करने वाले को 'निर्मल वर्मा, विदेशी मूल के ऐसे लोगों को जिन्होंने हिन्दी भाषा एवं उसकी बोलियों के विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया है को 'फादर कामिल बुल्के, हिन्दी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन एवं पाठ्य-पुस्तकों के निर्माण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले को 'गुणाकर मुले' सम्मान और ऐसे हिन्दी भाषा लेखकों और साहित्यकार जिन्होंने अपने लेखन तथा सृजन से हिन्दी को समृद्ध किया है, उन्हें 'हिन्दी सेवा सम्मान' दिया जायेगा। राष्ट्रीय स्तर के सम्मान में पुरातत्व विषय पर 'डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर', स्वाधीनता संग्राम के आदर्श, राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा के लिए 'अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद', सामाजिक सदभाव और समरसता के लिए 'महाराजा अग्रसेन सम्मान', शिक्षा विषय के लिये 'महर्षि वेद व्यास', संगीत-संस्कृति एवं कला संरक्षण के लिए 'राजा मान सिंह तोमर सम्मान', सामाजिक, सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म परम्परा के लिए 'नानाजी देशमुख सम्मान', देश की सुरक्षा-कर्तत्व में बलिदान, अदम्य साहस, वीरता, नारी उत्थान के लिए 'वीरांगना लक्ष्मीबाई सम्मान' शामिल हैं। राज्य स्तरीय शिखर सम्मान के अंतर्गत वर्ष 2009-10 में 'दुर्लभ वाद्य वादन' के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिये जाने वाले सम्मान को जोड़ा गया है। संस्कृति विभाग के अधीन उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी द्वारा रूपंकर कलाओं के क्षेत्र के लिए 21-21 हजार एवं लतीफ खाँ सम्मान 51 हजार का पुरस्कार दिया जाता है। साहित्य अकादमी द्वारा अखिल भारतीय स्तर के 5, प्रादेशिक 10 एवं पाण्डुलिपि प्रकाशन सहायता योजना में 45 वर्ष की आयु के रचनाकारों की पहली रचना के प्रकाशन के लिए पुरस्कार दिया जाता है।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

वजन कम करने में भी मददगार है इलायची

इलायची भारतीय घरों में मौजूद रहने वाला एक प्रमुख मसाला है जिसे गरम मसाला बनाने में इस्तेमाल किया जाता है. इसी के साथ चाय का स्वाद और खुशबू बढ़ाने में भी इलायची को खूब पसंद किया जाता है. हाल ही में एक रिसर्च में पता चला है कि इलायची खाने से वजन कम होता है. अगर आप भी वजन की समस्या से परेशान हैं तो एक नजर इस नुस्खे पर जरूर डालें.

कैसे कम करती है वजन?

इलायची के फायदे के बारे में आयुर्वेद में भी काफी कुछ लिखा गया है. इसके अनुसार हरी इलायची शरीर के पाचन तंत्र को साफ करने के अलावा शरीर की सूजन को कम करने और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने का काम भी करता है. इलायची सिस्टोलिक और डायस्टोलिक को कम करने में सहायक है, इससे ब्लड प्रेशर लेवल प्रभावित होता है.

क्या कहता है रिसर्च?

रिसर्च के अनुसार अगर इलायची के पाउडर का सेवन किया जाए तो पेट की चर्बी को कम किया जा सकता है और इसके साइड इफेक्ट्स भी नहीं होते. अगर आपको पेट में गैस और सूजन की समस्या है तो आज ही से इलायची का सेवन शुरु कर दें.

ऐसे करें इलायची को सेवन?

इलायची को अगर आप चबाकर नहीं खा सकते तो इसे कॉफी या चाय में डाल कर पी सकते हैं. इलायची के दानों को पीस कर पाउडर बना लें और उसे दूध या खाने में प्रयोग करें.

...तो इसलिए बड़े भाई-बहन होते हैं छोटों से ज्यादा तेज

बड़े भाई-बहनों की बुद्धिमत्ता और सोचने की क्षमता अपने छोटे भाई बहनों की तुलना में बेहतर होती है क्योंकि शुरुआती वर्षों में उनको माता-पिता की ओर से अधिक मानसिक प्रोत्साहन मिलता है. एक नए अध्ययन में इस बात का दावा किया गया है.

ब्रिटेन के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि बड़े बच्चे आईक्यू परीक्षण में अपने छोटे भाई-बहनों की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करते हैं. हालांकि सभी बच्चों को माता-पिता से बराबर भावनात्मक मदद मिलती है लेकिन पहले बच्चे को ज्यादा मदद मिलती है, जिससे सोचने की क्षमता विकसित होती है. विशेषज्ञों ने कहा है कि अध्ययन के परिणाम से जन्म के क्रम के प्रभावों को समझने में मदद मिल सकती है. अमूमन ऐसा देखा जाता है कि बड़े बच्चे बाद में अधिक वेतन पाते हैं और अधिक शिक्षा हासिल करते हैं. उन्होंने यूएस चिल्ड्रेन ऑफ द नेशनल लांगिच्यूडिनल सर्वे ऑफ यूथ के डेटा का विश्लेषण किया. इस अध्ययन का प्रकाशन जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज में हुआ है.

बच्चा देखता है ज्यादा टीवी, तो हो सकती है ये जानलेवा बीमारी...

अगर आपका बच्चा तीन घंटे या इससे ज्यादा समय तक टीवी देखता है या कंप्यूटर, गेम कंसोल्स, टैबलेट व स्मार्टफोन पर समय बिताता है, तो यह उसकी सेहत के लिए अच्छी बात नहीं है. एक रिपोर्ट के अनुसार, इस तरह घंटों टीवी स्क्रीन के सामने बिताने से उसे डायबिटीज होने का खतरा है. हालिया शोध का एक निष्कर्ष बताता है कि बच्चों का इस तरह लगातार डिजिटल माध्यम की ओर झुकाव उनमें मोटापे का कारण हो सकता है और यह इंसुलिन रेंजिस्टेंस के लिए भी जिम्मेदार है. इंसुलिन पाचन-ग्रंथि के माध्यम से हार्मोन के जरिए ब्लड-ग्लूकोज के स्तर को बढ़ने से रोकता है. उसके इस काम में बाधा डायबिटीज उत्पन्न कर सकती है. शोधकर्ताओं की टीम ने चयापचयी (मेटाबॉलिक) और कार्डियोवैस्क्युलर (हृदयवाहिनी) से संबंधित जांच के लिए लंदन के बरमिंघम और लिसेस्टर के 200 प्राथमिक स्कूलों से 9-10 वर्ष के लगभग 4,500 बच्चों को प्रयोग के दायरे में लिया था. सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के एम.नाईटेंगल ने अपने इस शोध का हवाला देते हुए बताया कि बचपन के शुरुआती वर्षों में बच्चों के टीवी स्क्रीन पर कम समय बिताने से उनमें टाइप-2 डायबिटीज की आशंका कम रहती है. इस शोध का निष्कर्ष पत्रिका 'आर्काइव्स ऑफ डिजीज इन चाइल्डहुड' में प्रकाशित हुआ है.

बदलते मौसम में ऐसे रखें अपनी त्वचा का ख्याल

मौसम में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है. सर्द हवाएं चलना शुरू हो गई हैं और इससे आपकी स्किन भी ड्राई होना शुरू हो गई है. गर्मी के मौसम में स्किन को सन प्रोटेक्शन और ऑयल कंट्रोल चाहिए होता है लेकिन सर्दीयों में ठंडी हवाओं से डेड सेल्स बनते हैं, जिससे त्वचा को हाइड्रेशन की जरूरत पड़ती है.

अब समय आ गया है कि आप अपना स्किन केयर रूटिन बदलें और साथ ही ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी बदलाव लाएं. हम कुछ टिप्स बता रहे हैं, जिससे बदलते मौसम में आपकी त्वचा स्वस्थ और मुलायम बनी रहे.

1. क्लीन्ज करने का तरीका बदलें:

समय आ गया है कि आप फोमिंग या जेल क्लीन्जर की जगह पर क्रीमी क्लीन्जर का प्रयोग करें. जाड़े के

मौसम में जेल या फोम बेस्ड क्लीन्जर से स्किन ड्राई हो जाती है. क्रीमी क्लीन्जर से आपकी त्वचा को मोश्चराइजर मिलेगा.

2. SPF का प्रयोग जरूर करें:

लोगों की आम धारणा है कि सनस्क्रीन का प्रयोग सिर्फ गर्मियों में किया जाता है. लेकिन ऐसा नहीं है. UVA किरणें जितनी गर्मियों में हानिकारक होती हैं उतनी ही जाड़े में भी होती हैं. इसलिए जाड़े में भी सनस्क्रीन लगाना ना भूलें.

3. अपनी त्वचा को हाइड्रेटेड रखें:

बदलते मौसम में टोनर का प्रयोग जरूर करें. अपने स्किन को हाइड्रेटेड रखने के लिए एल्कोहल-फ्री टोनर का इस्तेमाल करें.

4. स्किन को उतारने के लिए स्क्रब का इस्तेमाल करें: इस मौसम में यदि नई त्वचा आती है तो बहुत ग्लो करती है और डेड सेल्स को रिपेयर करने में भी मदद करती है. स्किन को स्मूद बनाने के लिए फेशियल स्क्रब का रेगुलर प्रयोग करना चाहिए.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

ये 5 खूबियां हैं तो कभी कमी ना होगी नौकरी की

किसी भी कंपनी में जब आप इंटरव्यू देने जाते हैं, तो आप ये सोच लें कि जो कंपनी आपको नौकरी दे रही है वो आपमें कुछ खास देखकर ही आपको नौकरी देने का फैसला ले रही है. ऐसी कौन सी वो 5 बातें हैं, जिनकी वजह से कोई भी कंपनी यह तय करती है कि आपको नौकरी देनी है या नहीं.

लीडरशिप क्वालिटी : किसी भी कंपनी में भले ही आप एक छोटी पोजिशन पर जाएं, पर आपमें एक लीडरशिप क्वालिटी का होना बेहद जरूरी है. वहीं किसी भी काम को कैसे मैनेज करना है और एक सीमित समय के अंदर कैसे अच्छे रिजल्ट देने हैं, ये आपको बखूबी आना चाहिए.

सोशल मीडिया का अनुभव हो : मार्केटिंग का ज्यादातर काम सोशल मीडिया पर ही होता है, जाहिर है कंपनी चाहती है कि आप Social networking websites पर एक्टिव हों. वहीं आपका बिहेवियर ऐसा हो कि आप जल्दी ही लोगों से घुल-मिल जाएं. ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलें और अपने आइडिया उनके सामने पेश करें.

काम के लिए हमेशा रहें गंभीर : आप चाहे कितने भी मजाकिया हों लेकिन काम के प्रति हमेशा सीरियस रहें. आपके बोलने का तरीका, पहनावा, बिहेवियर ये सब काम पर काफी फर्क डाल सकता है. इसलिए जब भी आप डील करने वाले हो तो क्लाइंट के साथ सलीके से पेश आएं.

चैलेंज के लिए तैयार : कंपनी ने आपको भले ही किसी एक काम के लिए रखा हो, लेकिन जरूरत पड़ने पर आपको अपने सेफ जोन से निकलकर कोई दूसरा काम भी करना पड़ सकता है. कंपनी ऐसा केंडिडेट चाहती है, जो जरूरत पड़ने पर हर काम के लिए तैयार रहे. कोई भी चुनौती क्यों न आ जाए, आप उसके लिए मैंटली तैयार रहें. साथ ही आपमें हर प्रॉब्लम से बाहर निकलने की क्वालिटी भी हो.

रचनात्मकता : एक कर्मचारी के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि उसका क्रिएटिव नेचर रखना. क्योंकि किसी भी क्षेत्र में रचनात्मकता के दम पर ही लोगों का ध्यान खींचा जा सकता है.

नाम याद रखने के 5 आसान तरीके

अगर आपको भी लोगों के नाम भूलने की समस्या है, तो इन पांच आसान तरीकों से आप इसे दूर कर सकते हैं.

बार-बार इस्तेमाल करें : अगर आप किसी का नाम याद रखना चाहते हैं, तो अक्सर बातचीत में उसके नाम का इस्तेमाल करते रहिए. हर वाक्य में नहीं लेकिन खासकर तब जब उसे पुकारना हो.

इंसान को देखिए, सुनिए नहीं : याददाश्त को लेकर खास जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ बताते हैं कि आप शक्ल के जरिए आसानी से नाम याद रख सकते हैं. अगर किसी का नाम अजीब है, तो एक बार उससे दोबारा बोलने के लिए कहिए या आप लोगों से उनका बिजनेस और विजिटिंग कार्ड भी मांग सकते हैं.

खास नामों के साथ जोड़ें : किसी को याद रखने का बेहद आसान तरीका है कि खास लोगों के साथ उनके नामों को जोड़ दें. आप किसी सेलेब्रिटी या नेता के नाम लोगों के नाम जोड़ सकते हैं, ताकि उनके सहारे आप उन्हें याद रख सकें

पेशे या शहर को नाम बनाएं : लोगों के काम या उनके शहर को भी नाम से जोड़कर याद रखना आपके लिए एक और बढ़िया उपाय है. जैसे मनीष मार्केटिंग, प्रियंका पेंटर या दिव्या दिल्ली

फोकस : जानकार बताते हैं कि नाम भूलने का एक बड़ा कारण ये है कि हमारा ध्यान कहीं और होता है. अगर कोई भी फैसला या काम ध्यान और जागरुकता के साथ किया जाए तो भूलने की नौबत ही नहीं आएगी.

बिजनेस में होगा फायदा अपनाएं ये टिप्स

अगर आप बिजनेस खोलने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है. इन टिप्स से आपको मदद मिल सकती है.

1. बड़ा सपना देखें

कहते हैं न जो बड़े सपने देखने की हिम्मत रखता है, वहीं उन्हें पूरे करने का दम रखता है. इसलिए बिजनेस में सफलता चाहते हैं तो उसे दिन-प्रतिदिन एक बड़े स्तर पर ले जाने की कोशिश करें.

2. दृढ़ता के साथ काम करें

अपने लक्ष्य के लिए कितने गंभीर है, ये आपके दृढ़ लक्ष्य पर निर्भर करता हैं. एक बिजनेस में लाभ और हानि दोनों हो सकती है, लेकिन इन सब के बारे में ना सोचकर आप एक दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ते रहें. यकीन मानिए सफलता आपके कदमों में होगी.

3. मजबूत योजना के साथ उतरें मैदान में

कोई भी बिजनेस एक योजना के बिना अधूरा है. कब क्या करना है, कैसे करना है, आप कितने पैसे कहां लगाना चाहते हैं. ये सब कुछ आप की प्लानिंग लिस्ट में शामिल होना आवश्यक है.

4. एक स्किल करें सेट

आप एक बिजनेस शुरू करने जा रहे हैं तो जरूरी नहीं है कि आप सब कुछ खुद हैंडल करेंगे. जिस चीज में आपका अच्छा स्किल है, सिर्फ वही करें. सभी कामों में हाथ ना डालें.

5. सेहत का रखें ख्याल

जितना काम जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी आपकी सेहत है. अगर किसी वजह से आपके बिजनेस में नुकसान हो जाता है, तो उसका असर सेहत पर ना पड़ने दें. साथ ही अच्छा खाना खाएं, अपनी फैमिली के साथ टाइम बिताएं और खुश रहें.

गलत जगह हो बेड तो बढ़ जाती है पति-पत्नी के बीच कलह...

हर महिला चाहती है कि उसका दांपत्य जीवन सुखद रहे, पति-पत्नी में प्रेम बना रहे, लेकिन कई बार समझ में नहीं आता है कि अखिर क्या वजह है कि पति-पत्नी में खटपट बनी रहती है. कहीं इसके पीछे आपका बेडरूम तो नहीं है, बेडरूम में बेड की स्थिति सही नहीं होने या नकारात्मक ऊर्जा होने पर पति-पत्नी के बीच तनाव रहता है.

कैसे पति-पत्नी के बीच रिश्तों को और मजबूत बनाया जा सकता है, आइए जानते हैं कुछ टिप्स

1. बिस्तर खिड़की से सटाकर कभी भी न लगाएं. इससे रिश्तों में तनाव उत्पन्न होता है और आपसी असहयोग की प्रवृत्ति बढ़ती है.

2. बेडरूम में ऐसी चीज का प्रयोग करने से बचें जो अलगाव दर्शाती हो.

3. छत पर बीम का होना और दो अलग मैट्रेस का प्रयोग भी प्रेम संबंधो में दूरी बनाता है. जहां तक संभव हो पति-पत्नी एक ही मैट्रेस पर सोएं.

4. बेड में ऐसी चादर बिलकुल प्रयोग में न लाएं, जिसमें छेद हों, इससे दांपत्य जीवन में खटास बढ़ती है.

5. पलंग के नीचे कुछ भी सामान न रखें. पलंग के नीचे जगह को खाली रहने दें, इससे आपके बेड के चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा बिना किसी बाधा के प्रवाहित हो सकेगी.

6. बेडरूम के प्रवेश द्वार वाली दीवार के साथ बेड लगाने से बचना चाहिए. इससे रिश्तों में कटुता आती है.

7. उस दीवार से सटाकर भी बेड न लगाएं, जिसकी दूसरी ओर बाथरूम या टॉयलेट हो.

8. बेड के सामने या कहीं भी ऐसी जगह शीशा नहीं लगाना चाहिए, जहां से बेड का प्रतिबिंब दिखता हो. इससे संबंधों में दरार आती है और अनिद्रा और बदन दर्द के भी शिकार हो सकती है.

9. पति-पत्नी के बीच प्रेम बढ़ाने के लिए घर की दीवारों पर हल्का गुलाबी, नीला, हल्का ग्रे या हल्के येलो रंग का ही प्रयोग करें. ये रंग शान्ति और प्यार को बढ़ाने वाले माने जाते हैं.

इस मंत्र का जाप खोलेगा किस्मत के ताले...

मां लक्ष्मी की कृपा अगर बनी रहे तो घर परिवार में खुशियां और संपन्नता बनी रहती है. कई बार सबकुछ सही होने के बाद भी घर में धन का अभाव बना रहता है और लाख पूजा-पाठ करने के बाद भी समाधान नहीं निकलता. अबर आप भी किसी कारण से आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं तो आज ज्योतिष के अनुसार रावण संहिता के इन अचूक उपायों को अपनाकर अपना जीवन आसान बना सकते हैं.

1. किसी भी शुक्रवार को सवा सौ ग्राम साबुत बासमती चावल और सवा सौ ग्राम मिश्री को एक सफेद रुमाल में बांध कर मां लक्ष्मी से अपने घर में हमेशा बने रहने की रहने की प्रार्थना करें. इसी के साथ उनसे अपनी भूल चूक की माफी मांग लें. इसके बाद रुमाल को ले जाकर किसी साफ, शुद्ध बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें.

जानिये शाम में क्यों नहीं लगाते झाड़ू

2. दूसरे उपाय के मुताबिक किसी भी चौराहे पर खड़े होकर काली मिर्च के 5 दाने अपने सिर पर से 7 बार घुमाकर चारो दानों को चारों दिशाओं में एक-एक कर के फेंक दें. ऐसा करने से अचानक धन लाभ होता है.

3. यह उपाय 40 दिनों तक किया जाना चाहिए. इसे अपने घर पर ही करें. उपाय के अनुसार धन प्राप्ति मंत्र का जाप प्रतिदिन 108 बार करें.

- ऊं सरस्वती ईश्वरी भगवती माता क्रां क्लीं, श्रीं श्रीं मम धनं देहि फट् स्वाहा.

बनना है मालामाल तो चावल से करें ये उपाय

ज्योतिष शास्त्र में गरीबी दूर करने के लिए कई कारगर उपाय बताए गए हैं. इन उपायों को अपनाने से सभी प्रकार की ग्रह बाधाएं दूर हो जाती हैं. यदि किसी वजह से धन प्राप्त करने में कोई समस्या आ रही हो तो इन उपायों से वे सभी परेशानियां भी दूर हो जाती हैं. यदि आप भी किसी ग्रह बाधा से पीड़ित हैं और आपके पर्स में अधिक समय तक पैसा नहीं टिकता तो यह उपाय अवश्य करें. पूजन में अक्षत का उपयोग अनिवार्य है. किसी भी पूजन के समय गुलाल, हल्दी, अबीर और कुंकुम अर्पित करने के बाद अक्षत चढ़ाए जाते हैं. अक्षत न हो तो पूजा पूर्ण नहीं मानी जाती. शास्त्रों के अनुसार पूजन कर्म में चावल का काफी महत्व रहता है. देवी-देवता को तो इसे समर्पित किया जाता है साथ ही किसी व्यक्ति को जब तिलक लगाया जाता है तब भी अक्षत का उपयोग किया जाता है. अक्षत का उपयोग कर आप घर की दरिद्रता दूर कर सकते हैं. जानिये कैसे... अगर नौकरी की तलाश कर रहे हैं या वर्तमान ऑफिस में परेशान हैं तो मीठे चावल बनाकर कौवों को खिला दें. पैसों की तंगी है तो आधा किलो चावल लेकर किसी एकांत शिवलिंग के पास बैठें और भगवान शिव पर एक मुट्ठी चावल चढ़ाएं. इसके बाद बचे चावल को किसी जरूरतमंद या गरीब को दान कर दें.

नवरात्रि में क्यों की जाती है कन्या पूजा?

नवरात्र में सप्तमी तिथि से कन्या पूजन शुरू हो जाता है और इस दौरान कन्याओं को घर बुलाकर उनकी आवभगत की जाती है. दुर्गाष्टमी और नवमी के दिन इन कन्याओं को नौ देवी का रूप मानकर इनका स्वागत किया जाता है. माना जाता है कि कन्याओं का देवियों की तरह आदर सत्कार और भोज कराने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को सुख समृधि का वरदान देती हैं.

क्यों और कैसे किया जाता है कन्या पूजन?

नवरात्र पर्व के दौरान कन्या पूजन का बड़ा महत्व है. नौ कन्याओं को नौ देवियों के प्रतिबिंब के रूप में पूजने के बाद ही भक्त का नवरात्र व्रत पूरा होता है. अपने सामर्थ्य के अनुसार उन्हें भोग लगाकर दक्षिणा देने मात्र से ही मां दुर्गा प्रसन्न हो जाती हैं.

किस दिन करें कन्या पूजन

वैसे तो कई लोग सप्तमी से कन्या पूजन शुरू कर देते हैं लेकिन जो लोग पूरे नौ दिन का व्रत करते हैं वह तिथि के अनुसार नवमी और दशमी को कन्या पूजन करने के बाद ही प्रसाद ग्रहण करके व्रत खोलते हैं. शास्त्रों के अनुसार कन्या पूजन के लिए दुर्गाष्टमी के दिन को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण और शुभ माना गया है.

कन्या पूजन की विधि: कन्या भोज और पूजन के लिए कन्याओं को एक दिन पहले ही आमंत्रित कर दिया जाता है.

- मुख्य कन्या पूजन के दिन इधर-उधर से कन्याओं को पकड़ के लाना सही नहीं होता है.

- गृह प्रवेश पर कन्याओं का पूरे परिवार के साथ पुष्प वर्षा से स्वागत करें और नव दुर्गा के सभी नौ नामों के जयकारे लगाएं.

- अब इन कन्याओं को आरामदायक और स्वच्छ जगह बिठाकर सभी के पैरों को दूध से भरे थाल या थाली में रखकर अपने हाथों से उनके पैर धोने चाहिए और पैर छूकर आशीष लेना चाहिए.

- उसके बाद माथे पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए.

- फिर मां भगवती का ध्यान करके इन देवी रूपी कन्याओं को इच्छा अनुसार भोजन कराएं.

- भोजन के बाद कन्याओं को अपने सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा, उपहार दें और उनके पुनः पैर छूकर आशीष लें.

कन्या पूजन में कितनी हो कन्याओं की उम्र?

कन्याओं की आयु दो वर्ष से ऊपर तथा 10 वर्ष तक होनी चाहिए और इनकी संख्या कम से कम 9 तो होनी ही चाहिए और एक बालक भी होना चाहिए जिसे हनुमानजी का रूप माना जाता है. जिस प्रकार मां की पूजा भैरव के बिना पूर्ण नहीं होती, उसी तरह कन्या-पूजन के समय एक बालक को भी भोजन कराना बहुत जरूरी होता है. यदि 9 से ज्यादा कन्या भोज पर आ रही है तो कोई आपत्ति नहीं है.

आयु अनुसार कन्या रूप का पूजन

- नवरात्र में सभी तिथियों को एक-एक और अष्टमी या नवमी को नौ कन्याओं की पूजा होती है.

- दो वर्ष की कन्या (कुमारी) के पूजन से दुख और दरिद्रता मां दूर करती हैं. तीन वर्ष की कन्या त्रिमूर्ति रूप में मानी जाती है. त्रिमूर्ति कन्या के पूजन से धन-धान्य आता है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है.

- चार वर्ष की कन्या को कल्याणी माना जाता है. इसकी पूजा से परिवार का कल्याण होता है. जबकि पांच वर्ष की कन्या रोहिणी कहलाती है. रोहिणी को पूजने से व्यक्ति रोगमुक्त हो जाता है.

- छह वर्ष की कन्या को कालिका रूप कहा गया है. कालिका रूप से विद्या, विजय, राजयोग की प्राप्ति होती है. सात वर्ष की कन्या का रूप चंडिका का है. चंडिका रूप का पूजन करने से ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है.

- आठ वर्ष की कन्या शाम्भवी कहलाती है. इसका पूजन करने से वाद-विवाद में विजय प्राप्त होती है. नौ वर्ष की कन्या दुर्गा कहलाती है. इसका पूजन करने से शत्रुओं का नाश होता है तथा असाध्य कार्यपूर्ण होते हैं.

- दस वर्ष की कन्या सुभद्रा कहलाती है. सुभद्रा अपने भक्तों के सारे मनोरथ पूर्ण करती है.

सिर्फ 9 दिन ही नहीं है जीवन भर करें इनका सम्मान

नवरात्रों में भारत में कन्याओं को देवी तुल्य मानकर पूजा जाता है. पर कुछ लोग नवरात्रि के बाद यह सब भूल जाते हैं. बहूत जगह कन्याओं का शोषण होता है और उनका अपनाम किया जाता है. आज भी भारत में बहूत सारे गांवों में कन्या के जन्म पर दुःख मनाया जाता है. ऐसा क्यों? क्या आप ऐसा करके देवी मां के इन रूपों का अपमान नहीं कर रहे हैं. कन्याओं और महिलाओं के प्रति हमें अपनी सोच बदलनी पड़ेगी. देवी तुल्य कन्याओं का सम्मान करें. इनका आदर करना ईश्वर की पूजा करने जितना पुण्य देता है. शास्त्रों में भी लिखा है कि जिस घर में औरत का सम्मान किया जाता है वहां भगवान खुद वास करते हैं.

'अनहोनी को होनी' करने के लिए मशहूर एमएस धोनी नहीं दिला पाए जीत,

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टीम-20 सीरीज में टीम इंडिया की कप्तानी छोड़ दी थी. इसके बाद उनको आईपीएल टीम की कप्तानी से भी हाथ धोना पड़ा था. उनकी टीम राइजिंग पुणे सुपरजायन्ट्स के प्रबंधन ने उनकी जगह ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ को कमान सौंप दी थी. अब उनके पास घरेलू क्रिकेट में अपने राज्य की टीम का नेतृत्व करके खुद को साबित करने का मौका था, लेकिन झारखंड की टीम सेमीफाइनल में हार गई. अनहोनी को होनी करने के लिए मशहूर रहे धोनी टीम को खिताब नहीं दिला पाए. जाहिर है इससे धोनी निराश रहे होंगे, तभी तो उन्होंने शनिवार को हार के बाद एक जुदा कदम उठाया... एमएस धोनी की कप्तानी में झारखंड की टीम सेमीफाइनल तक तो पहुंची, लेकिन वह इससे आगे नहीं बढ़ पाई और खिताब जीतने का उसका सपना अधूरा रह गया. इससे कप्तान धोनी भी खासे निराश दिखे. सेमी में हार के बाद वह टीम से अलग कार से रवाना हुए, जबकि टीम के साथी बस से गए. आपको याद होगा कि धोनी ने इस टूर्नामेंट की शुरुआत में कोलकाता तक पहुंचने के लिए ट्रेन का सहारा लिया था. उन्होंने टीम के साथियों के साथ लंबे समय बाद ट्रेन में सफर किया था और उनकी फोटो भी वायरल हुई थी. वह अब तक टीम के साथ ही आ-जा रहे थे और टीम के होटल में ही ठहरे थे, लेकिन वह इतने निराश हुए कि टीम के बाहर होने पर साथियों के साथ नहीं लौटे. माना जा रहा है कि धोनी टीम की हार से नहीं, बल्कि गेंदबाजों के प्रदर्शन से नाराज थे. वास्तव में जब वह टीम इंडिया के कप्तान थे, तब भी वह गेंदबाजी की समस्या से ही परेशान रहते थे और विरोधी टीमों ने कई बार 300 से अधिक का स्कोर बनाया. खेली थी तूफानी पारी... धोनी की कप्तानी में झारखंड टीम ने नई ऊंचाई छूने की कोशिश की, लेकिन दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में विजय हजारे वनडे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में वह 41 रन से हार गई. बंगाल के साथ हुए इस मुकाबले में उसके सामने 330 रनों का विशाल लक्ष्य था, लेकिन एमएस धोनी और इशांक जग्गी की तूफानी पारियों के बावजूद उसे हार का सामना करना पड़ा.

मूवी रिव्यू : बद्रीनाथ की दुल्हनिया

भोपाल, अजय सिसौदिया (फिल्म समीक्षक)

झांसी और कोटा जैसे छोटे से शहर की पृष्ठभूमि पर है इस फिल्म की कहानी, जहां पितृसत्तात्मक समाज का ही बोलबाला है। 'बद्रीनाथ की दुल्हनियां' एक ऐसी फिल्म है, जिसमें लिंगभेद, महिलावाद, दहेज प्रथा जैसे सामाजिक मुद्दों की भरमार है।

फिल्म की कहानी का सारांश ये है की बद्रीनाथ (वरुण) को अपने लिए एक टिपिकल दुल्हन की तलाश है, वैदेही (आलिया)को इंडिपेंडेंट लाइफ पसंद है। उन्हें मिलकर परम्परा को तोड़ना है और अपने किरदार को दोबारा परिभाषित करना है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसके क्लाइमैक्स का अंदाजा आप बड़ी आसानी से लगा लेते हैं। तो लगभद सवा दो घंटे सीट पर बैठकर उस चीज का इंतजार करना, जिसके बारे में आपको पहले से ही पता हो यह काफी असहज करता है। लेकिन, फिल्म की चकाचौंध और इसके मजेदार व फनी डायलॉग आपको बांधे रखते हैं।

फिल्म का डायरेक्शन अच्छा है. शहरों की खूबसूरती को शशांक ने बखूबी दर्शाया है. ड्रोन कैमरे की वजह से कुछ सीन और भी दिलचस्प लगते हैं. सिंगापुर बेहद खूबसूरत दिखाया गया है। वरुण और आलिया स्क्रीन पर दमदार लगे हैं। इनकी खूबसूरत जोड़ी आपके चेहरे पर मुस्कान बिखेर देती है। बद्री के रूप में धवन काफी प्यारे लगे हैं। उन्होंने कुछ हाई ड्रामा सीन को भी काफी प्रभावशाली तरीके से निभाया है। आलिया ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है, लेकिन कभी-कभी ऐसा लगता है कि फिल्म में उनकी बोली और भाषा सिंगापुर और झांसी के बीच फंस कर रह गई हो। फिल्म के गाने रिलीज से पहले ही हिट हैं।

करण जौहर के प्रोडक्शन की ज्यादातर फिल्में कंट्रोल बजट में बनती हैं. इस फिल्म की लागत लगभग 47 करोड़ बताई जा रही है जिसमें 35 करोड़ फिल्म बनाने में और 12 करोड़ मार्केटिंग-प्रमोशन में लगे हैं. फिल्म को 2200 स्क्रीन्स में रिलीज किया जा रहा है. खबरों के मुताबिक, फिल्म के सैटेलाइट राइट्स 18 करोड़ में, म्यूजिक और वीडियो 12 करोड़ में, डिजिटल राइट्स 8 करोड़ में और ओवरसीज राइट्स 4 करोड़ में दिए जा चुके हैं.तो अगर फिल्म 70-75 करोड़ कमाती है तो कॉस्ट रिकवर कर लेगी. वहीं 80 करोड़ कमाने पर हिट और 115 करोड़ कमाई होने पर फिल्म सुपरहिट होगी. मै इस मनोरंजक फिल्म को 5 में से 2.5 स्टार देता हूँ।

पुजारा के शतक ने पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ा, हर रन बढ़ाएगा कंगारुओं की धड़कन

रांची। ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत दौरे में अपना तीसरा टेस्ट मैच रांची के जेएससीए स्टेडियम में खेल रही है. मैच अब अहम मोड़ पर है. यदि टीम इंडिया बड़ी बढ़त हासिल कर लेती है, तो मैच में वापसी कर सकती है. चौथे दिन का खेल जारी है. ऑस्ट्रेलिया के 451 रनों के जवाब में टीम इंडिया ने पहली पारी में 6 विकेट पर 452 रन बना लिए हैं. चेतेश्वर पुजारा (171) और ऋद्धिमान साहा (69) नाबाद हैं. साहा ने 100 गेंदों में फिफ्टी बनाई है. पैट कमिन्स ने भारत के चार विकेट, तो स्टीव ओकीफी और जॉश हेजलवुड ने एक-एक विकेट लिया है. तीसरे दिन भी पुजारा अड़े रहे और एक छोर से गिर रहे विकेटों के बीच धैर्य बनाए रखा और न केवल करियर का 11वां शतक पूरा किया, बल्कि टीम इंडिया की ओर से सीरीज का पहला शतक भी लगाया था. टीम इंडिया का विकेट पतन : 1/91 (लोकेश राहुल- 67), 2/193 (मुरली विजय- 82), 3/225 (विराट कोहली- 6), 4/276 (अजिंक्य रहाणे- 14), 5/320 (करुण नायर- 23), 6/328 (आर अश्विन- 3)

चौथे दिन सुबह टीम इंडिया को चेतेश्वर पुजारा और ऋद्धिमान साहा से पहला सत्र बन विकेट खोए निकालने की उम्मीद थी और दोनों इस पर खरे उतरे. साहा ने पुजारा का बखूबी साथ दिया. इस बीच उन्हें किस्मत का भी साथ मिला, जब अंपायर ने साहा और पुजारा दोनों को एक-एक बार आउट दे दिया था, लेकिन डीआरएस से दोनों बच गए. ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भी डीआरएस लिया, लेकिन उसमें भी वह नॉटआउट निकले. कंगारू गेंदबाजों को निराशा ही हाथ लगी. दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए अब तक 107 रनों की नाबाद साझेदारी हो चुकी है. लंचे तक टीम इंडिया ने 6 विकेट पर 435 रन बना लिए. चेतेश्वर पुजारा (164) और ऋद्धिमान साहा (59) नाबाद लौटे. दोनों ने सुबह टीम की पारी को 6 विकेट पर 360 रन से आगे बढ़ाया.

बेंगलुरू में भी पुजारा बने थे 'दीवार' : वैसे तो राहुल द्रविड़ के संन्यास लेने के बाद से चेतेश्वर पुजारा 'दीवार' के रूप में कई बार भूमिका निभा चुके हैं, लेकिन इस सीरीज में वह ऑस्ट्रेलिया के लिए दो बार मुसीबत बन चुके हैं.

SWATI
Tution Classes

Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018

Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets

Special Classes
for
Sanskrit

Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा राष्ट्रीय हिन्दी मेल, प्लॉट नम्बर-3, लिंक रोड नम्बर-3, पत्रकार कॉलोनी के पास, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)